1 बस

दो वर्ण

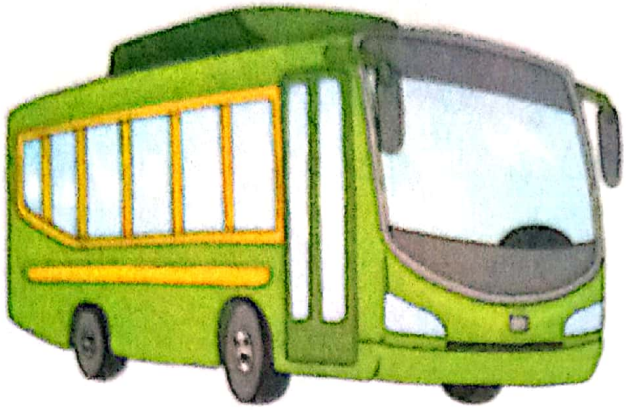

बस

नल

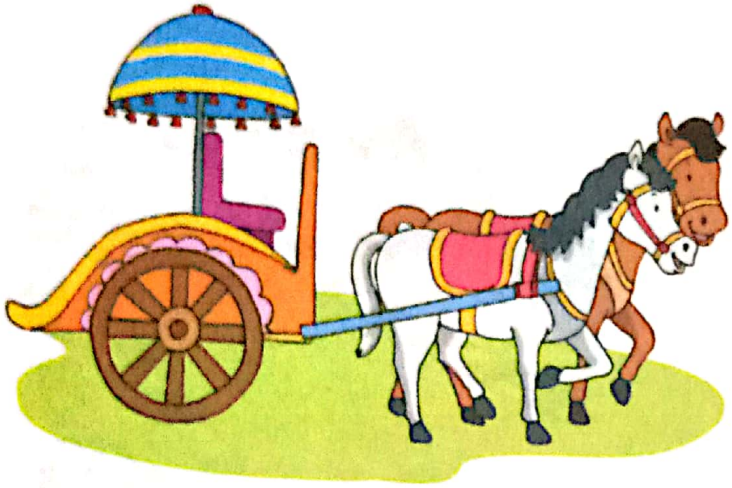

रथ

फल

पढ़िए

बस	नल	रथ	फल	सब	नस
रस	थल	नथ	थन	फन	बल

घर चल। जल भर। रस चख। खत पढ़। बस पर चढ़। सब फल चख। रथ पर मत चढ़। नथ नल पर मत रख। जग नल पर रख।

अभ्यास संकेत

इस पाठ में बच्चों के अक्षर ज्ञान की पुनरावृत्ति हो रही है। उन्हें बिना मात्रा वाले दो वर्णों से बने शब्दों का ज्ञान कराया गया है। इस पाठ में ब, स, न, ल, र, थ और फ के योग से बने शब्दों को बताया गया है। इसी प्रकार अन्य वर्णों से बने शब्दों का अभ्यास कराएँ।

Scanned with CamScanner

2 कमल

तीन वर्ण

कमल

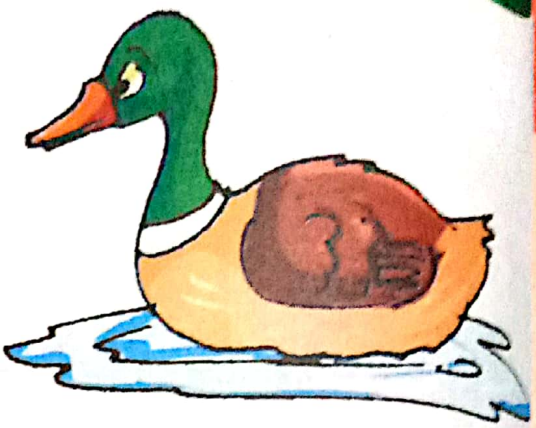

बतख

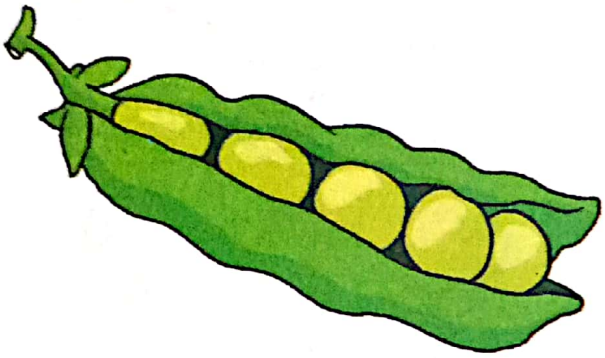

मटर

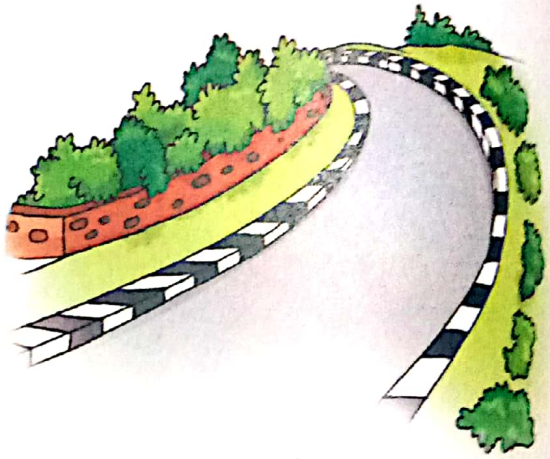

सड़क

पढ़िए

कमल	गरम	शहद	शहर	गगन
मगर	बहन	महल	नमक	चमक

कलम पकड़। इधर चल। मटर रख। शहद गरम कर। बहन भजन का
गगन शहर चल। मदन, सड़क पर चल। गरम-गरम मटर चख।

इस पाठ में बिना मात्रा वाले तीन वर्णों से बने शब्दों का ज्ञान कराया गया है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि क, ल, म वर्णों के बोल
'कलम' और 'कमल' दो शब्द बनते हैं। इसी तरह कुछ और शब्दों का अभ्यास कराएँ।

Scanned with CamScanner

3 बरगद

चार वर्ण

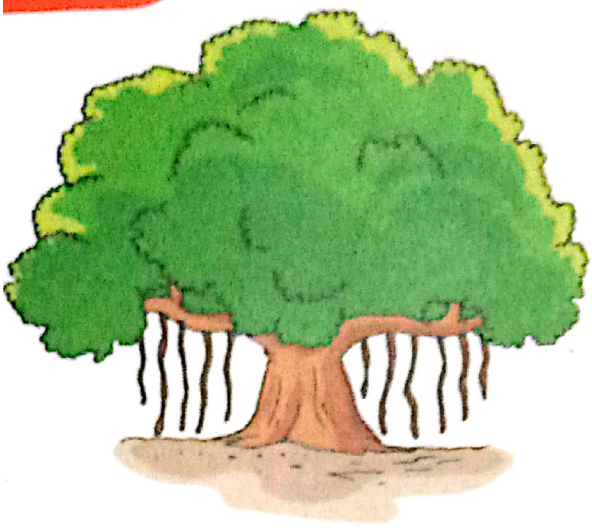

बरगद

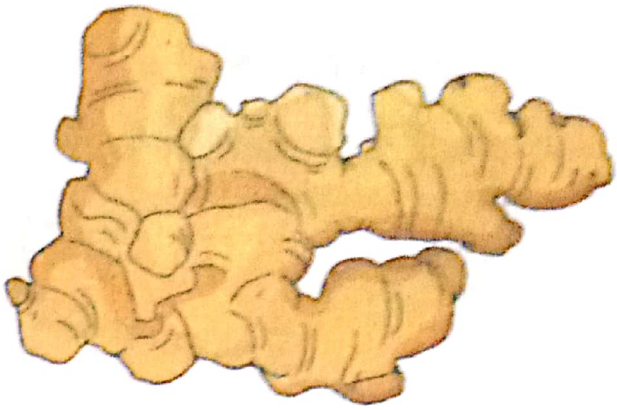

अदरक

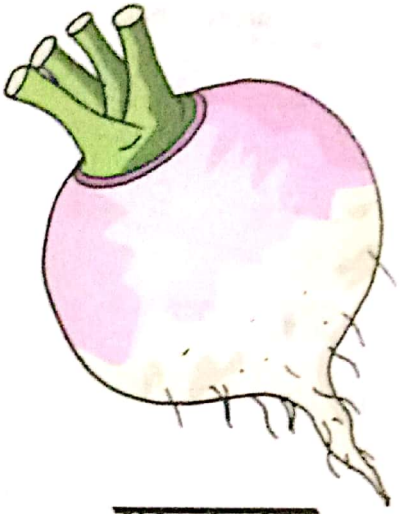

शलजम

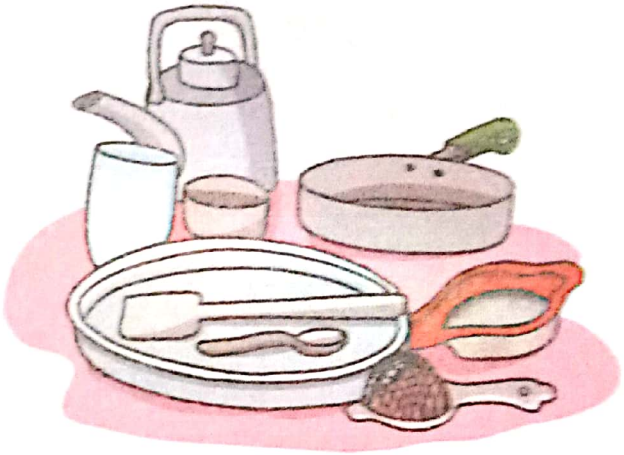

बरतन

पढ़िए

खटमल	बरतन	नटखट	झटपट	गरदन
थरमस	करवट	शरबत	गड़बड़	अनबन

बरतन रख। अदरक चख। झटपट चल। थरमस पकड़। गड़बड़ मत कर। शरबत उधर रख। खटमल मत पकड़। अहमद, गड़बड़ मत कर।

इस पाठ में बिना मात्रा वाले चार वर्णों से बने शब्दों का ज्ञान कराया गया है। बच्चों को कुछ अन्य शब्दों का भी अभ्यास कराएँ। उन्हें अपने आप भी शब्द और वाक्य बनाने के लिए प्रेरित करें।

Scanned with CamScanner

4 कमला गाना गा

क ा = का

कार

ध ा = धा

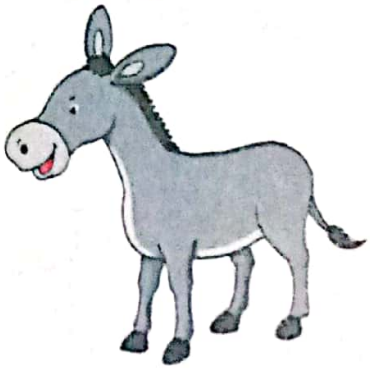

गधा

ह ा = हा

जहाज

ब ा = बा

अखबार

पढ़िए

काम	नाम	चना	मजा	घड़ा
बादल	अनार	सपना	कमरा	बाजार
तालाब	तमाशा	बताशा	सामना	जागना
खानदान	आसमान	बरसात	पाठशाला	दरवाजा

राजन आया। राधा उठ। कमला गाना गा। घर जाकर खाना ला। आज बड़ा मजा आया। आसमान पर काला बादल छा गया। नताशा, अब तमाशा मत कर। अब पाठशाला मत जा। अपना छाता उधर रख। माता का कहना मान।

यहाँ 'आ' की मात्रा से बने शब्दों और वाक्यों का ज्ञान कराया गया है। बच्चों को 'आ' की मात्रा से बने कुछ अन्य शब्दों का अभ्यास कराएँ। लिखने में 'ब' और 'व' तथा 'ड' और 'ड़' के अंतर को भी स्पष्ट करें।

Scanned with CamScanner

5 दिन निकला

f त्र = त्रि

त्रिशूल

f ह = हि

हिरन

f ल = लि

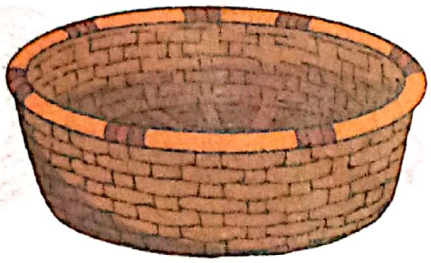

डलिया

f द = दि

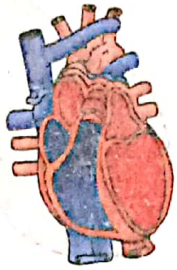

दिल

पढ़िए

दिन	सिर	कवि	रवि	शशि
किला	पिता	शिला	जिला	विदा
किरण	गिटार	शिकार	पहिया	चिड़िया
शनिवार	परिवार	पिकनिक	किशमिश	गिरगिट

दिन निकला। रवि किताब ला। किरण गिटार उठा। किसान एक हिरन लाया। साइकिल का पहिया निकल गया। विमल फिर फिसल गया। यह तकिया बढ़िया निकला। हिरन का शिकार मत कर। हमारा परिवार विदिशा गया था।

अध्यापन संकेत

यहाँ पर 'इ' की मात्रा से बने शब्दों और वाक्यों का ज्ञान कराया गया है। अध्यापक बच्चों को समझाएँ कि 'इ' की मात्रा वर्ण से पहले लगती है, लेकिन उसका उच्चारण वर्ण के बाद होता है। बच्चों को इसी प्रकार के अन्य शब्दों और वाक्यों का अभ्यास भी कराएँ।

Scanned with CamScanner

6 तितली आई

द ी = दी

दीया

ड़ ी = ड़ी

साड़ी

प ी = पी

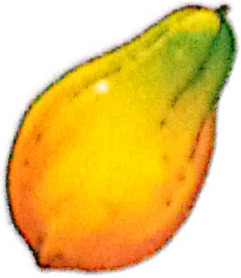

पपीता

ल ी = ली

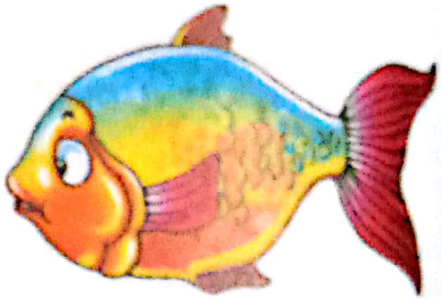

मछली

पढ़िए

कील	नीम	खीर	कली	दही
पानी	माली	चाबी	शीशी	मीठी
पीपल	दीपक	गरीब	ककड़ी	बिजली
अलमारी	शालीमार	नवनीत	नाशपाती	दीपावली

तितली आई। कली-कली पर उड़ती आई। दीपावली आ गई। दीदी ने कमीज लाई। नीम की घनी छाया थी। हाथी नदी पर पानी पी रहा था गीता की बड़ी भाभी भीतर चली गई। शिवानी खिचड़ी बना। हरीश की लीची मीठी निकली।

यहाँ पर 'ई' की मात्रा से बने शब्दों और वाक्यों का ज्ञान कराया गया है। अध्यापक बच्चों को 'इ' और 'ई' की मात्रा का अंतर समझा उन्हें यह भी बताएँ कि 'ई' की मात्रा के उच्चारण में 'इ' की मात्रा की अपेक्षा अधिक समय लगता है; जैसे– कि-की, शिला-शीला

Scanned with CamScanner

7 कुसुम गुलाब लाई

प + ु = पु

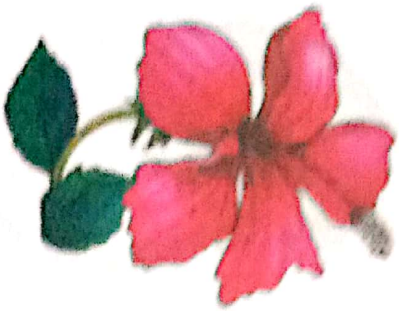

पुष्प

ब + ु = बु

साबुन

छ + ु = छु

कछुआ

ग + ृ = गृ

गुड़िया

पढ़िए

चुप	सुन	पुल	पशु	मधु
बुरा	गुणा	खुला	कुल्ली	गुरु
गुलाब	दुकान	सुनार	बगुला	साबुन
चुपचाप	ससुराल	बुधवार	बुलबुल	झुनझुना

कुसुम गुलाब लाई। कुमकुम चुप रह। सुधा बहुत खुश थी। मुनिया की गुड़िया ससुराल जाएगी। बुआ गुलाबी कुरता लाई। कुमार की दुकान खुल गई। सुमन कुछ जामुन लाई। चुनमुन की गुलाब की फुलवारी महकी।

इस पाठ में 'उ' की मात्रा का प्रयोग सिखाया गया है। इसी प्रकार के अन्य शब्दों और वाक्यों का अभ्यास भी कराएँ। बच्चों को बताएँ कि जब 'र' पर 'उ' की मात्रा लगती है तो उसको 'रु' लिखा जाता है। साथ ही यह भी समझाएँ कि 'उ' की मात्रा के उच्चारण में कम समय लगता है।

Scanned with CamScanner

8 सूरज निकला

च ◌ = चू

चूहा

ब ◌ = बू

तरबूज

ज ◌ = जू

तराजू

ब ◌ = बू

कबूतर

पढ़िए

फूल	धूल	झूठ	दूध	जून
कालू	लालू	चाकू	पूजा	सूना
पूनम	चूरन	खजूर	बबूल	तराजू
फूलदान	चबूतरा	मजदूर	अमरूद	खरबूजा

सूरज निकला। धूप खिल गई। पूनम झूला झूली। शालू का कबूतर उड़ गया। राजू भूखा था। बबलू खजूर खाकर दूध पी। कपूर तरबूज लाया। बिरजू का चाकू टूट गया। यह जूता मजबूत निकला। तू अब शहतूत खा। कालू, जूता पहनकर आ।

इस पाठ में 'ू' की मात्रा का ज्ञान कराया गया है। बच्चों को बताएँ कि 'ू' की मात्रा के उच्चारण में 'उ' की मात्रा की अपेक्षा अधिक समय लगता है। साथ ही जब 'र' पर 'ू' की मात्रा लगती है तो उसे 'रू' लिखा जाता है। बच्चों को 'रु' और 'रू' के भेद को अच्छी तरह स्पष्ट कर दें।

Scanned with CamScanner

9 रमेश ने केले खाए

स ` = से

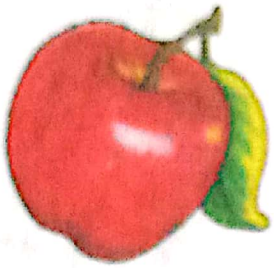

सेब

म ` = मे

मेढक

ठ ` = ठे

ठठेरा

क ` = के

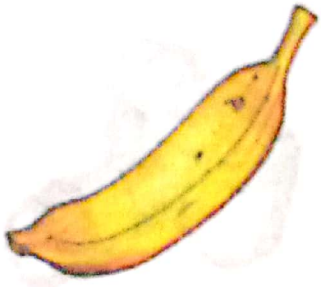

केला

पढ़िए

खेल	पेड़	शेर	बेर	रेत
मेला	नेहा	मेवा	रेखा	बेटा
सवेरा	ठठेरा	बरेली	जलेबी	चमेली
रेलगाड़ी	मलेरिया	परदेश	दरवाजे	अजमेर

रमेश ने मीठे केले खाए। हिमेश ने जलेबी बनाई। मुझे देखकर सुरेश भाग गया। बरेली से मेहमान आए। हमारे दरवाजे के सामने एक पेड़ था। उस पर मीठे बेर लगते थे। हमने बड़े मजे से खाए। लड़के पेड़ पर चढ़ जाते थे। वे खूब खेलते थे।

इस पाठ में 'ए' की मात्रा का ज्ञान कराया गया है। बच्चों को ऐसे ही अन्य शब्दों और वाक्यों का अभ्यास कराएँ। साथ ही उन्हें स्वयं भी ऐसे शब्द और वाक्य बनाने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को यह भी बताएँ कि 'ए' से मात्रा का कोई चिह्न नहीं होता, लेकिन मात्रा लगाने पर एक चिह्न (`) लग जाता है।

Scanned with CamScanner

10 भैया आया

ब ै = बै

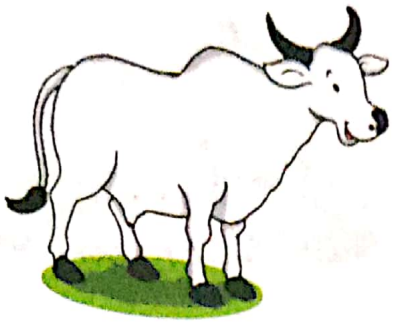

बैल

थ ै = थै

थैला

क ै = कै

कैमरा

स ै = सै

सैनिक

पैर	सैर	गैस	चैन	पैन
मैला	कैसा	पैसा	जैसा	वैसा
पैदल	फैशन	हैरान	गवैया	डकैत
सैनिक	दैनिक	नैनीताल	कैदखाना	मटमैला

भैया आया। भैया पैदल चलकर आया। मैना पेड़ पर बैठी है। शैला हैरान है। मेरी गैया सीधी है। हैदर शैतान है। थैला मैला है। भैरव धीरे-धीरे चलता है। लैला बैठक से बाहर खड़ी है। वैशाली सुबह सैर करने जाती है।

इस पाठ में 'ऐ' की मात्रा से बने शब्दों और वाक्यों का ज्ञान कराया गया है। अध्यापक बच्चों को 'ए' और 'ऐ' के स्वरूप में समानता और अंतर को स्पष्ट करें। ध्यान दीजिए कि 'ऐ' का उच्चारण 'अइ' नहीं होता, वरन ऐसा होता है, जैसे 'है' और 'पैर' शब्दों में। 'ऐ' में मात्रा का एक चिह्न होता है, लेकिन मात्रा में दो चिह्न (ै) लगते हैं।

Scanned with CamScanner

11 रोहन का कोट

म ो = मो

मोर

त ो = तो

तोता

क ो = को

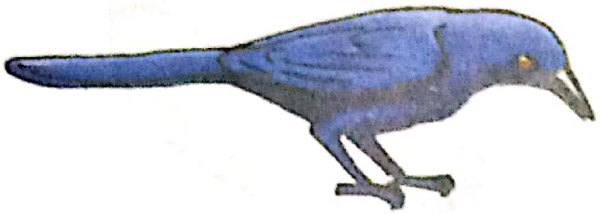

कोयल

अ ो = ओ

ओखली

पढ़िए

चोर	कोट	गोल	होश	नोट
चलो	देखो	खेलो	बढ़ो	करो
घोड़ा	छोटा	सोना	बोलो	रोटी
भोजन	समोसा	दोपहर	कमजोर	टेलीफोन

रोहन मैला कोट लाया। धोबी ने कोट धोया। छोटा भाई ढोलक लाया। उसने जोर-जोर से शोर मचाया। चाचा बोले- चलो, बाहर खेलो। भोला के तोते उड़ गए। सोहन ने दो समोसे खाए। वह घोड़ा कमजोर था। मोटा आदमी रो रहा है। थोड़ा भोजन इधर दे दो।

इस पाठ में बच्चों को 'ओ' की मात्रा वाले शब्दों और वाक्यों का ज्ञान कराया गया है। अध्यापक बच्चों को ऐसे ही कुछ अन्य शब्दों और वाक्यों का अभ्यास कराएँ। बच्चों को 'ए' और 'ओ' की मात्राओं की समानता और अंतर को भी भली-भाँति स्पष्ट कर दें।

Scanned with CamScanner

12 सौरभ आया

क ौ = कौ

कौआ

अ ौ = औ

औरत

प ौ = पौ

पौधा

ल ौ = लौ

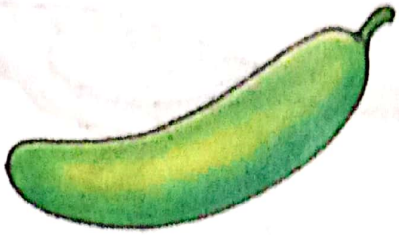

लौकी

पढ़िए

कौन	मौन	दौड़	शौक	ठौर
चौका	मौका	बौना	सौदा	लौकी
नौकर	मौसम	पकौड़ी	बिछौना	तौलिया
चौकीदार	समझौता	भागदौड़	मनमौजी	जौनपुर

सौरभ दौड़ा-दौड़ा आया। नौकर से खिलौना टूट गया। गौरव रोता-रोता मौसा के पास गया। पापा चौदह खिलौने लाए। कौशल ने लौकी के पौधे लगाए। रौनक की मौसी आई। गौतम को फौरन बुलाओ। दौलत ने कचौड़ी और पकौड़ी बनाई।

इस पाठ में बच्चों को 'औ' की मात्रा से बने शब्दों और वाक्यों का ज्ञान कराया गया है। बच्चों को 'ओ' और 'औ' की मात्राओं के उच्चारण और लेखन के अंतर को स्पष्ट करें। उन्हें इनके उच्चारण का बार-बार अभ्यास कराएँ। 'औ' का उच्चारण इसी तरह होता है जैसे— कौआ, पौधा, दौड़ शब्दों में।

Scanned with CamScanner

13 तिरंगा झंडा

प ं = पं

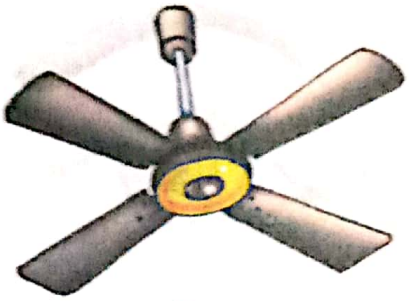

पंखा

झ ं = झं

झंडा

ब ं = बं

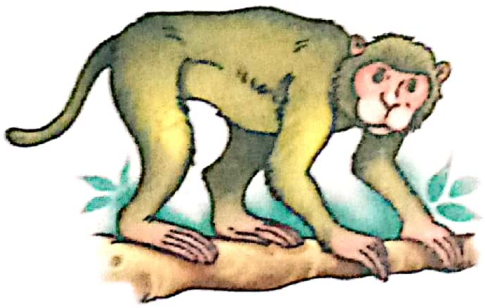

बंदर

त ं = तं

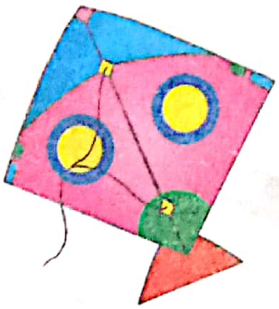

पतंग

पढ़िए

डंक	जंग	हंस	ठंड	वंश
पंजा	लंबा	गंगा	डंडा	अंधा
कंगन	चंदन	जंगल	पलंग	बसंत
संसार	सुरंग	सुगंध	चुकंदर	दमयंती

हमारा झंडा तिरंगा है। इसमें तीन रंग हैं। यह बहुत सुंदर है। कल बसंत पंचमी है। कंगना मंगलवार को शंकर भगवान के मंदिर जाएगी। मंदिर में कई बंदर और लंगूर हैं। मंदिर के अंदर शंख और घंटा बजता है। पंकज अंगूर और संतरे लाया।

इस पाठ में अनुस्वार (ं) से बने शब्दों और वाक्यों का ज्ञान कराया गया है। हिंदी में आजकल स्वर रहित पंचम वर्ण के स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग किया जाता है। अध्यापक बच्चों को पंचम वर्ण के बारे में विस्तार से समझाएँ। ङ , ञ , ण, न और म पंचम वर्ण कहलाते हैं।

Scanned with CamScanner

14 आँधी आई

ऊ ँ = ऊँ

ऊँट

आ ँ = आँ

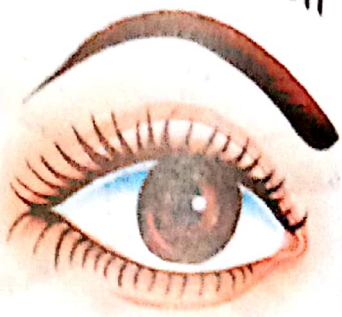

आँख

बा ँ = बाँ

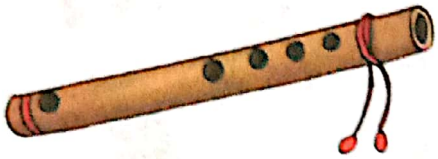

बाँसुरी

अ ँ = अँ

अँगूठी

पढ़िए

माँ	हाँ	चाँद	गाँव	दाँत
यहाँ	कुआँ	काँटा	गाँधी	चाँदी
लहँगा	महँगा	हँसना	आँवला	माँगना
चाँदनी	अँगड़ाई	बँटवारा	कँपकँपी	शाहजहाँ

गाँव में आँधी आई। मुँह और आँखों में धूल भर गई। कुँवर का आँचल हवा में उड़ गया। चाँद की चाँदनी छिप गई। कुँवर के आँगन में साँप आ गया। साँप नाली में फँस गया। यहाँ अँगीठी का धुआँ फैल गया। नूरजहाँ घबराकर ताँगे में जा बैठी।

अध्यापन संकेत

यहाँ पर बच्चों को अनुनासिक (ँ) ध्वनियों का ज्ञान कराया गया है। अध्यापक बच्चों को स्पष्ट करें कि अनुस्वार और अनुनासिक ध्वनियों में अंतर होता है; जैसे– हंस-हँस, रंग-रँगना आदि। बच्चों को इनके उच्चारण में अंतर को भी ठीक प्रकार से समझाएँ।

Scanned with CamScanner

15 मीठे बोल

जब भी तुम मुख खोलो,
तो बोलो मीठे-मीठे बोल!
बात पते की करो सदा ही,
पहले ठीक तरह लो तोल।

कड़वे बोल बोलने वाले,
को बोलो चाहता है कौन?
कड़वी बात बोलने से तो,
बेहतर है रह जाना मौन।

इस कविता के माध्यम से बालकों को मीठी बोली का महत्व समझाने की कोशिश की गई है। बच्चों को समझाएँ कि किसी बात को बोलने से पहले ठीक तरह से विचार कर लेना चाहिए। जब भी बोलें, मधुर और सत्य बोलें, कड़वा कभी न बोलें।

Scanned with CamScanner

शब्दार्थ

मुख = मुँह
पते की = समझदारी की
सदा = हमेशा
तोलना = विचारना
बेहतर = अधिक अच्छा
मौन = चुप

पाठ कौशल

प्रश्नों के उत्तर लिखो-

1. हमें कैसे बोल बोलने चाहिए?

_____

2. कुछ बोलने से पहले क्या करना चाहिए?

_____

3. क्या कड़वे बोल बोलने वाले को कोई चाहता है?

_____

4. कड़वा बोलने से अच्छा क्या है?

_____

इन पंक्तियों को पूरा करो-

जब भी _____ ,
_____ बोल!
बात _____ ,
_____ तोल।

इनसे मिलते-जुलते शब्द लिखो-

बोल _____ कौन _____ खोलो _____

Scanned with CamScanner

समझो और लिखो-

जब भी तुम मुख खोलो, तो बोलो मीठे-मीठे बोल!

तुम जब भी मुख खोलो, तो मीठे-मीठे बोल बोलो।

1. बात पते की करो सदा ही, पहले ठीक तरह लो तोल।

_____

2. कड़वे बोल बोलने वाले, को बोलो चाहता है कौन?

_____

3. कड़वी बात बोलने से तो, बेहतर है रह जाना मौन।

_____

सही मेल मिलाओ-

अ	आ
1. मीठे-मीठे	मौन
2. पते की	बोल
3. बेहतर	बात

भाषा कौशल

इन शब्दों से वाक्य बनाओ-

मुख _____

बोल _____

सदा _____

कौन _____

मौन _____

Scanned with CamScanner